मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

02 जुलाई, 2018

कुलपति का प्रदेश व्यापी दौरा, नकल विहीन परीक्षा का दिया निर्देश

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया एवं श्री रैनाथ ब्रहमदेव डिग्री कालेज, सलेमपुर परीक्षा केन्द्रो का किया औचक निरीक्षण

श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिय परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद की सत्र जून–2018 की परीक्षाओं को नकल विहीन आयोजित कराने के संकल्प को लेकर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का प्रदेश व्यापी दौरा कर रहे हैं। परीक्षायें अब अन्तिम चरण में हैं। दिनांक 02 जुलाई 2018 को कुलपति प्रो0 सिंह ने देवरिया एवं बलिया जिले में स्थित कई परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। प्रदेश में परीक्षायें शान्तिपूर्ण ढंग से संचालित की जा रही हैं। कुलपति प्रो0 सिंह ने आज बलिया में श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय तथा देवरिया के श्री रैनाथ ब्रहमदेव डिग्री कालेज, सलेमपुर सहित कई परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने सभी केन्द्राध्यक्षों को परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता के लिए निर्देशित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ पूर्वांचल के जिलों के कई परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया एवं नकल विहीन तथा शुचितापूर्ण परीक्षा कराने का कड़ा निर्देश दिया।

ज्ञातव्य है कि प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केन्द्रों इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, कानपुर, आगरा, झांसी, नोएडा, मेरठ तथा फैजाबाद से सम्बद्ध 800 अध्ययन केन्द्रों में पंजीकृत लगभग 50 हजार शिक्षार्थी प्रदेश में स्थित 85 परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा दे रहे हैं। परीक्षायें 7 जुलाई 2018 तक आयोजित की जायेगी।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने सभी केन्द्राध्यक्षों को परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता के लिए निर्देशित किया। उन्होंने परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थियों के लिए शीतल जल एवं प्रकाश एवं पंखें की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप नकल विहीन परीक्षा सम्पन्न कराने के लिये निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर विश्वविद्यालय के निर्देशों का कढ़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिये कई टीमों का गठन किया गया है।

श्री रैनाथ ब्रहमदेव डिग्री कालेज, सलेमपुर परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र S-024) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

रमा जैन कन्या महाविद्यालय, नजीबाबाद, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र S-1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राम स्वरुप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र– एस–223)

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर (परीक्षा केन्द्र– एस–079)

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

05 जुलाई, 2018

कुलपति ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षायें प्रदेश के 85 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संचालित की जा रही है। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने इलाहाबाद में आज विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्राध्यक्षों को निर्देशित किया कि परीक्षा केन्द्र पर छात्रों के लिए शीतल पेयजल, प्रकाश एवं हवा की पर्याप्त व्यवस्था की जाये। कुलपति प्रो0 सिंह के साथ ही विभिन्न परिक्षेत्रों में संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्रेक्षकों एवं उड़ाका दल की टीमें सघन दौरा कर रही है। प्रदेश में नकल विहीन परीक्षा आयोजित कराने के प्रदेश सरकार के संकल्प को पूरी मुस्तैदी से अमल में लाया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र S-024) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

रमा जैन कन्या महाविद्यालय, नजीबाबाद,बिजनौर (परीक्षा केन्द्र– एस–1077)

क्राइस चर्च कालेज, कानपुर (परीक्षा केन्द्र– एस–010)

जागरण सिटी नोएडा

यूपीआरटीओयू का 13 सितंबर को दीक्षा समारोह

जासं, नोएडा : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) का 13वां दीक्षा समारोह 18 सितंबर को मनाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित महामना पंडित मदनमोहन मालवीय दीक्षांत समारोह प्रांगण में होगा। यूपीआरटीओयू के नोएडा की क्षेत्रीय निदेशक डॉ कविता त्यागी ने बताया कि जिन छात्रों को दीक्षा समारोह में सम्मिलित होना है, उनको अपने अध्यन केंद्र में इसके लिए पंजीकरण करना होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार, शैक्षिक सत्र दिसंबर 2017 और जून 2018 की परीक्षाओं में सभी विषयों में उत्तीर्ण छात्रों को अपने अध्यन केंद्रों में पंजीकरण कराना होगा।

दैनिक जागरण

अध्ययन केंद्रों के पेच कसेगा यूपीआरटीओयू

अमरीश शुक्ल, इलाहाबाद

सखी

- 15 जुलाई से शुरू हो रही है कार्यशाला गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर
- प्रवेश की सही जानकारी, जागरूकता व सुविधाओं पर होगी चर्चा

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) ने अपने सभी 11 क्षेत्रीय अध्ययन केंद्रों के निदेशकों व समन्वयकों के पेच कसने की तैयारी की है। प्रवेश में ढिलाही, पाठ्यक्रमों के प्रचार-प्रसार में कमी, कांटेक्ट क्लास का प्रॉपर न चलना व नकल मुद्दा है। कुलपति ने 15 जुलाई से इस अभियान की शुरुआत करने का आदेश दिया है। पहली बैठक गाजीपुर में होगी।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अपने 11 क्षेत्रीय अध्ययन केंद्रों इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद, झांसी, कानपुर व फैजाबाद के साथ प्रदेश में 1100 स्टडी सेंटर चलाता है। पूरे प्रदेश में विश्वविद्यालय के करीब 51 हजार विद्यार्थी मुक्त विश्वविद्यालय से अध्ययन कर रहे हैं। यही क्षेत्रीय केंद्र अपने क्षेत्र में आने वाले अध्ययन केंद्रों में कक्षाओं का संचालन, प्रवेश, काउंसिलिंग, परीक्षा आदि के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। हर क्षेत्रीय केंद्र पर एक क्षेत्रीय निदेशक बैठता है व केंद्रों पर प्रभारी। मुक्त विश्वविद्यालय के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी छात्रों की संख्या को बनाए रखना व उसे निरंतर बढ़ाते जाना है। इसके अलावा गुणवत्तापरक शिक्षा व सुविधाएं ऐसे छात्रों को देना जो कहीं न कहीं नौकरी कर रहे हैं। यही कारण है कि कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सभी क्षेत्रीय अध्ययन केंद्रों के निदेशकों व केंद्र प्रभारियों के साथ बैठक करने का निर्णय लिया है। वाराणसी क्षेत्रीय अध्ययन केंद्रों के अंतर्गत आने वाले सभी केंद्रों की प्रथम कार्यशाला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में 15 जुलाई को आयोजित की गई है। इसमें वाराणसी क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र के 220 केंद्र समन्वयक भाग लेंगे।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह का कहना है कि हमारे सभी पाठ्यक्रमों की सफलता समन्वयकों की सक्रियता पर आधारित है। अगर क्षेत्रीय केंद्रों पर किसी भी प्रकार की छात्र को परेशानी आती है तो वह विश्वविद्यालय के प्रति नकारात्मक हो जाता है। विद्यार्थियों को सही जानकारी देना, सुविधाएं देना हमारा प्रथम उद्देश्य है।

केवल प्रवेश ही न लें, खुद भी हों जागरूक : कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि कई बार देखा जाता है कि केंद्र समन्वयक को ही सामाजिक विषयों, समस्याओं की जानकारी नहीं होती। ऐसे में इस बार निर्णय लिया गया है कि हर क्षेत्रीय कार्यालय में किसी न किसी समसामयिक विषय पर सेमिनार होगा, जिससे समन्वयक भी छात्रों के साथ समसामयिक विषयों के प्रति जागरूक हो सकें।

100 नए स्टडी सेंटर हैं चुनौती

पिछले शैक्षिक सत्र में विवि में 100 स्टडी सेंटर नए बने हैं। वहां नए कोऑर्डिनेटर व प्राचार्य नियुक्त हुए हैं। प्रवेश की प्रक्रिया क्या है, फीस कैसे जमा होगी व नवीन पाठ्यक्रमों की जानकारी पहुंचाना बड़ी चुनौती है। ऐसे में विश्वविद्यालय ने क्षेत्र की प्रकृति को समझकर प्राथमिकताओं को तय करने कर निर्णय लिया है। सोनभद्र, मिर्जापुर व बुंदेलखंड के केंद्रों के अंतर्गत आने वाले स्टडी सेंटर्स पर अधिक फोकस रहेगा।

दैनिक जागरण अलीगढ़, 7 जुलाई 2018

डीएस में आ सकता है 'डिप्लोमा इन योगा' कोर्स

जासं, अलीगढ़ : डीएस कॉलेज में इस साल उत्तरप्रदेश राजर्षी टंडन ओपन यूनिवर्सिटी अपने कोर्स ला सकती है। प्राचार्य डॉ. हेमप्रकाश ने बताया कि, कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए बायो केमेस्ट्री डिप्लोमा इन योगा, पीजी डिप्लोमा इन योगा व एमबीए आदि कोर्स प्रस्तावित हैं। ये इस साल से कॉलेज में शुरू हो सकते हैं। कॉलेज की ओपन यूनिवर्सिटी को-आर्डिनेटर डॉ. मृदुला सिंह ने बताया कि, इस साल से छात्र-छात्राए सिंगल सब्जेक्ट से बीए भी कर सकते हैं। कंबाइंड विषय में टीजीटी कोर्स के लिए दिक्कत आती थी, एक विषय से बीए करने की व्यवस्था से विद्यार्थियों को राहत मिलेगी। बताया कि, दो-चार दिन में वे इस संबंध में होने वाली मीटिंग में भी जा रही हैं। उसमें तय हो जाएगा कि कौन-कौन कोर्स कब से चालू हो जाएंगे?

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर में योग विषय की प्रायोगिक परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

प्रेरणा मास कम्यूनिकेशन एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट, नोएडा (परीक्षा केन्द्र S-1170) में योग विषय की प्रायोगिक परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

12 जुलाई, 2018

परीक्षा समिति की 27वीं बैठक आयोजित

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की 27वीं बैठक दिनांक 12 जुलाई 2018 को पूर्वाह्न 10:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की। बैठक में परीक्षा से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में डॉ0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाख, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, परीक्षा नियंत्रक, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद उपस्थित रहे।

परीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

12 जुलाई, 2018

विद्या परिषद् की 53वीं बैठक आयोजित

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 53वीं बैठक दिनांक 12 जुलाई 2018 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में डॉ0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 सुधाशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 टी0एन0 दुबे, पुस्तकालयाध्यक्ष, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (विशेष आमंत्रित), डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 साधना श्रीवास्तव असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, श्री सुनील कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, एवं डॉ0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा/कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद उपस्थित रहे।

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के अन्तर्गत आने वाले विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर (परीक्षा केन्द्र– एस–079) पर योग विषय की प्रायोगिक परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी में पढ़ाया जाएगा वैदिक गणित

वैदिककालीन विधाओं से रूबरू होंगे छात्र

नोएडा, 12 जुलाई, (ब्यूरो): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी में अब भूगोल, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, होम साइंस और पोषण विज्ञान में भी ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकेगा।

वहीं अब वैदिक गणित भी पढ़ाई जाएगी। इसमें सर्टिफकेट कोर्स के साथ-साथ डिप्लोमा भी होगा। इस बात की जानकारी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. केएन सिंह ने दी। प्रो. सिंह नोएडा के सेक्टर-62 स्थित क्षेत्रीय केंद्र का निरीक्षण करने आए थे। प्रो. केएन सिंह ने कहा वैदिक गणित पढ़ाने का मुख्य मकसद गणित के क्षेत्र में वैदिक कालमें विद्यमान विधाओं को पुनर्जीवित करना है। उन्होंने बताया कि योग के पाठ्यक्रम में यूनिवर्सिटी के सभी 11 केंद्रों पर अभ्यास करवाया जाएगा।

वाइस चांसलर प्रो. केएन सिंह विश्वविद्यालय का निरीक्षण कर बातचीत करते हुए।

सर्टिफकेट कोर्स के लिए 4, डिप्लोमा के लिए 5 और पीजी डिप्लोमा के लिए 6 दिन का कोर्स होगा। जिसमें सभी छात्रों का आना जरूरी होगा। उसी के अंतिम दिन ग्रेडिंग हो जाएगी। इसमें दो सत्र होंगे। पहले में आसन, प्राणायाम होगा और दूसरे में वैदिक सत्र होगा। जिसमें देश-समाज से जुड़े किसी ज्वलंत विषय पर व्याख्यान कराया जाएगा।

प्रो. केएन सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी की ओर से इस समय 98 कोर्स करवाए जा रहे हैं। अपनी दैनिक व्यस्तता के चलते बहुसंख्यक लोग ऐसे हैं जो उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, ऐसे लोगों के लिए ये कोर्स काम आएंगे। इसके अलावा वैदिक ज्ञान छात्रों के जीवन में बहुत काम आएंगे।

15 जुलाई को होगी पहली कार्यशाला

प्रो. केएन सिंह ने बताया कि उच्च शिक्षा को सर्व सुलभ बनाना हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। इसको कार्य रूप देने के लिए यूनिवर्सिटी के सभी क्षेत्रीय केंद्रों पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिसका विषय होगा मुक्त शिक्षा की चुनौतियां एवं संभावनाएं प्रथम कार्यशाला 15 जुलाई को राजकीय पीजी कॉलेज गाजीपुर में होगी। दूसरी नोएडा, मेरठ, बरेली एवं आगरा क्षेत्र को मिलाकर 25 जुलाई को दीन दयाल शोध संस्थान मथुरा में होगी।

नवोदय टाईम्स Fri, 13 July 2018
epaper.navodayatimes.in/c/30318449

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

14 जुलाई, 2018

कार्य परिषद् की 97वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, कार्य परिषद् की 97वीं बैठक दिनांक 14 जुलाई, 2018 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 आशुतोष गुप्ता, निदेश, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद डॉ0 जी. के. द्विवेदी असि. प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, श्री डी0पी0 त्रिपाठी, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (विशेष आमंत्रित) एवं डॉ0 गिरिजा शंकर शुक्ल, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उपस्थित रहे।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

15 जुलाई, 2018

वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकों की कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 15 जुलाई, 2018 को विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकों की कार्यशाला **''मुक्त शिक्षाः चुनौतियाँ एवं संभावनायें''** विषय पर आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे एवं कार्यशाला की अध्यक्षता श्री अजीत सिंह, प्रबन्धक, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर ने की।

वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं श्री अजीत सिंह जी।

कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में प्रो0 आ0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने बताया। संचालन डॉ0 विनय कुमार दुबे, विभागाध्यक्ष हिन्दी, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर ने किया। प्राचार्य डॉ0 अशोक सिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। तथा क्षेत्रीय निदेशक, वाराणसी डॉ0 सी0के0 सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकगण, डॉ0 बालेश्वर सिंह, डॉ0 समर बहादुर सिंह, डॉ0 शिवकुमार, डॉ0 बृजभान सिंह बघेल, कालेज के मीडिया प्रभारी अमितेश सिंह, शरद पाल, अनिल पाण्डेय व योगी बालेश्वर विक्रम समेत कई गणमान्य विभूतियाँ मौजूद रहें।

कार्यशाला का संचालन करते हुए डॉ0 विनय कुमार दुबे एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं साथ में कार्यशाला के अध्यक्ष श्री अजीत सिंह जी।

कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में बताते हुए प्रो0 आ0पी0एस0 यादव

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करता हुआ महाविद्यालय परिवार।

कार्यशाला में अध्ययन केन्द्र समन्वयको की तरफ से सुझाव देते हुए टी.डी. कालेज, जौनपुर के समन्वयक डॉ0 के.डी. सिंह

मुक्त शिक्षा की डिग्री पारंपरिक शिक्षा से कम नही–प्रो0 सिंह

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में रोल मॉडल बनना है। इसके लिए जीवन दृष्टि होनी चाहिए। जब तक व्यक्ति के अंदर कोई जीवन दृष्टि नहीं है तब तक उस कार्य में अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकती। प्रो0 सिंह ने कहा कि क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी की कार्यशाला पी0जी0 कालेज गाजीपुर में रखने का मुख्य उददेश्य यह रहा कि यह पूर्वांचल का बहुत बड़ा कालेज है और इस कालेज का सामाजिक सरोकार है। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय का जोर भी इस पर है कि शिक्षा का सामाजिक सरोकार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सही समय एवं सही जगह पर सही निर्णय लेना ही बुद्धिमत्ता है। मुक्त विश्वविद्यालय छात्रों को उनके द्वार तक रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह महज भ्रन्ति है कि मुक्त शिक्षा की डिग्री का महत्व पारंपरिक शिक्षा से प्राप्त डिग्री से कम है। मुक्त शिक्षा से प्राप्त डिग्री के आधार पर दुनिया में कहीं भी रोजगार पा सकते हैं।

सभागार में उपस्थित अध्ययन केन्द्रों के प्रायार्य एवं समन्वयकगण।

मुक्त विश्वविद्यालय में सबके लिए उच्च शिक्षा की सुविधा–अजीत

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए री अजीत सिंहह जी

प्रदेश सरकार के अपर महाधिवक्ता एवं कार्यशाला के अध्यक्ष श्री अजीत कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना में उच्च शिक्षा की सुविधा उन लोगों तक पहुंचायी है जो ऐसे पेशे में लगे हुए हैं जिन्हें कालेज, या विश्वविद्यालय में जाने और पढने का समय नहीं है। दर असल ज्ञान सबकी मूलभूत जरूरत है। इसके बिना जीवंत आधुनिक समाज का निर्माण सम्भव नहीं है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 सी0के0 सिंह

माननीय कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी
का साक्षात्कार
लेते हुए
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गाजीपुर
के
मीडिया प्रभारी
डॉ0 अमितेश सिंह

महाविद्यालय की कुछ अन्य झलकियां

प्राचार्य एवं समन्वयकगणों को बैग देते हुए माननीय कुलपति जी एवं प्रेसवार्ता करते हुए माननीय कुलपति जी।

स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र का निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति जी एवं साथ में महाविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

वाराणसी, सोमवार
16 जुलाई 2018
नगर संस्करण*******
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 22

दैनिक जागरण

www.jagran.com

निर्मल ह्रदय की ओर से 52 हजार में बेचा गया चौथा बच्चा बरामद 11

रोते हुए कुमारस्वामी बोले, पी रहा हूं गठबंधन का विष 11

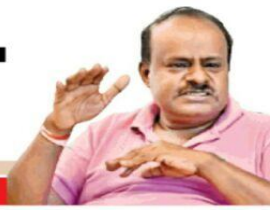

मुक्त शिक्षा की डिग्री पारंपरिक शिक्षा से कम नहीं

टेरी पीजी कालेज मे आयोजित कार्यशाला मे मंचासीन कुलपति व अन्य अतिथिगण।

टेरी पीजी कालेज में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित प्राचार्य व शिक्षकगण

जागरण संवाददाता, गाजीपुर : पीजी कालेज स्थित टेरी सभागार में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के एक दिवसीय कार्यशाला में मुक्त शिक्षा की चुनौतियों और संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर वाराणसी क्षेत्र के अधीन आने वाले सभी 200 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य शामिल हुए। मुख्य अतिथि के तौर पर राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर सिंह ने कहा कि यह महज भ्रांति है कि मुक्त शिक्षा की डिग्री का महत्व पारंपरिक शिक्षा से प्राप्त डिग्री से कम है। मुक्त शिक्षा से प्राप्त डिग्री के आधार पर दुनिया में कहीं भी रोजगार पा सकते हैं। प्रदेश सरकार के अपर महाधिवक्ता अजीत कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालयों की स्थापना में उच्च शिक्षा की सुविधा उन लोगों तक पहुंचाई है जो ऐसे पेशे में लगे हुए हैं जिन्हें कालेज या विश्वविद्यालय में जाने और पढ़ने का समय नहीं है। दरअसल ज्ञान सबकी मूलभूत जरूरत है इनके बिना जीवंत आधुनिक समाज का निर्माण संभव नहीं है। इस अवसर पर प्राचार्य अशोक कुमार सिंह, डा. आरपीएस यादव, डा. सीके सिंह, बालेश्वर सिंह, समर बहादुर सिंह, डा. शिवकुमार, बृजभान सिंह बघेल, कालेज के मीडिया प्रभारी अमितेश सिंह, शरद पाल, अनिल पांडेय व योगी बालेश्वर विक्रम आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे। संचालन डा. विनय कुमार दुबे ने किया।

कार्यक्रम

- वाराणसी के 200 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य हुए शामिल
- मुक्त शिक्षा की चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा

एक ही परिवार के छह लोगों की मौत पेज 08

नकली हो सकते हैं बंपर छूट वाले सौंदर्य प्रसाधन पेज 09

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

सहयोग की अपील

लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सांसदों से सहयोग की अपील की है।

सोमवार, 16 जुलाई 2018, वाराणसी, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, गाजीपुर

www.livehindustan.com

राजर्षि टंडन की ओर से आयोजित कार्यशाला में कुलपति ने दी जानकारी, कई स्कूलों के छात्रों की सहभागिता

शिक्षा प्रणाली पर शिक्षाविदों ने किया मंथन

सुधार की जरूरत

गाजीपुर | निज संवाददाता

शिक्षा की वर्तमान स्थिति और उसकी दिशा-दशा पर रविवार को कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें शिक्षाविदों ने शिक्षा प्रणाली पर मंथन किया और इसमें सुधार की जरूरत बताई। साथ ही हिन्दी के घटते प्रयोग और अंग्रेजी के बढ़ते चलन को संस्कृति का क्षरण बताया। वक्ताओं ने सरकारों और शिक्षा विभाग से इसके लिए विशेष मॉनीटरिंग कमेटी बनाने की अपील की।

रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में टेरी सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कलपति प्रोफेसर कामेश्वर सिंह ने बताया कि यह महज भ्रांति है कि मुक्त शिक्षा के डिग्री का महत्व पारंपरिक शिक्षा से प्राप्त डिग्री से कम है।

मुक्त शिक्षा से प्राप्त डिग्री के आधार पर दनिया मे कही भी रोजगार पा सकते है। नौकरी, व्यवसाय और कई कार्यों के साथ मुक्त विश्वविद्यालय से शिक्षा ली जा सकती है। उप्र के अपर महाधिवक्ता अजीत कुमार सिंह ने कहा ने शिक्षा जगत में बढ़ती चुनौतियों और संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

कहा कि मुक्त विश्वविद्यालयों की स्थापना में उच्च शिक्षा की सुविधा उन लोगो तक पहुचाई है जो ऐसे पेशो में लगे हुए है जिन्हें कालेज या विश्वविद्यालय में जाने और पढ़ने का समय नही है।

इस अवसर पर प्राचार्य अशोक कुमार सिंह, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ. सीके सिंह, बालेश्वर सिंह, समर बहादुर सिंह, बृजभान सिंह भघेल, मीडिया प्रभारी अमितेश सिंह, शरद पाल, अनिल पांडेय, योगी बालेश्वर विक्रम, बजभान बघेल आदि मौजद रहे।

पीजी कालेज में रविवार को आयोजित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कार्यशाला में उपस्थित मुख्य अतिथि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . कामेश्वर सिंह (बायें से दूसरे) व अन्य अतिथि और मौजूद लोग। ● हिन्दुस्तान

अमर उजाला

वाराणसी
सोमवार, 16 जुलाई 2018

वर्ष 16 | अंक 180 | पृष्ठ : 16

amarujala.com | ट्विटर पर इरफान | बीमारी के बाद पहली बार दिखा मुस्कुराता चेहरा...11 | उत्तर प्रदेश

गाजीपुर

amarujala.com

मुक्त विवि की डिग्री से कहीं भी मिलेगा रोजगार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यशाला

अमर उजाला ब्यूरो

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की एक कार्यशाला का आयोजन टेरी स्थित सभागार में रविवार को किया गया। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर सिंह ने मुक्त शिक्षा की चुनौतियों और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह महज भ्रांति है कि मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री का महत्व पारंपरिक शिक्षा से प्राप्त डिग्री से कम है। मुक्त विश्वविद्यालय से प्राप्त डिग्री के आधार पर दुनिया में कहीं भी रोजगार पा सकते हैं।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित समन्वयकों एवं प्राचार्यों की कार्यशाला में भाग लेते कुलपति प्रो. केएन सिंह।

कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेश सरकार के अपर महाधिवक्ता अजीत कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालयों की स्थापना ने उच्च शिक्षा की सुविधा उन लोगों तक पहुंचाई है, जो ऐसे पेशे में लगे हुए हैं जिन्हें कॉलेज या विश्वविद्यालय में जाने और पढ़ने का समय नहीं है। दरअसल ज्ञान सबकी मूलभूत जरूरत है। इसके बिना जीवंत आधुनिक समाज का निर्माण संभव नहीं है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार सिंह, डॉ आरपीएस यादव, डॉ. सीके सिंह, बालेश्वर सिंह, समर बहादुर सिंह, बृजभान सिंह बघेल, अमितेश सिंह, शरद पाल, अनिल पांडेय, बालेश्वर विक्रम, बृजभान बघेल आदि उपस्थित थे।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

16 जुलाई, 2018

माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीयुत रामनाईक जी ने किया अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका का विमोचन

राजभवन में अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका का विमोचन करते हुए कुलाधिपति श्रीयुत रामनाईक जी एवं कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका का विमोचन राजभवन में प्रदेश के माननीय श्री राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीयुत रामनाईक जी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में हो रहे विकास कार्यों से अवगत कराया। राज्यपाल श्री नाईक ने अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका के सफल प्रकाशन पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अध्ययन केन्द्रों के संचालन में यह पुस्तिका अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रदेश में स्थापित 11 क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से लगभग 1000 से अधिक संचालित क्षेत्रीय केन्द्र उच्च शिक्षा का प्रचार–प्रसार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका में अध्ययन केन्द्र से सम्बन्धित सामान्य अनुदेश, अध्ययन केन्द्र स्थापित करने के लिए मानक, मापदण्ड एवं संचालित कार्यक्रम प्रवेश प्रक्रिया सम्बन्धी दिशा निर्देश, प्रवेश परीक्षा पर आधारित कार्यक्रमों में प्रवेश सम्बन्धी दिशा निर्देश, परियोजना कार्य एवं लघु शोध सम्बन्धी अनुदेश, परीक्षा सम्बन्धी दिशा–निर्देश तथा वित्त सम्बन्धित अनुदेश का विस्तार से वर्णन किया गया है। संचालन पुस्तिका में अध्ययन केन्द्र की स्थापना हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप, प्रयोगात्मक कार्यक्रम का विवरण, देयक पत्र, अधिन्यास प्राप्ति रसीद, काउन्सिलिंग व्यय का विवरण तथा अधिन्यास पुस्तिका का वाह्य पृष्ठ का प्रारूप दर्शाया गया है।

कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि शीघ्र ही संचालन निर्देशिका ऑन लाइन कर दी जायेगी जिससे प्रदेश के सभी अध्ययन केन्द्रों पर यह आसानी से सुलभ हो सकेगी उन्होंने बताया कि छात्रों की बढती हुई मांग के आधार पर प्रारम्भ किए गए रिमोट सेंसिंग सुदूर संवेदन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, कृषि विज्ञान से सम्बन्धित रोजगार परक डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र, जी0एस0टी0 एवं वैदिक गणित में डिप्लोमा तथा सर्टीफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारम्भ हो गया है।

विश्वविद्यालय के
कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह
ने
दिनांक 16 जुलाई, 2018 को
राजभवन, लखनऊ में विश्वविद्यालय
के माननीय कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश
के
माननीय श्री राज्यपाल
श्रीयुत रामनाईक जी से
शिष्टाचार भेंट की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने माननीय कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश के माननीय श्री राज्यपाल जी को विश्वविद्यालय में हो रहे विकास कार्यों से अवगत कराते हुए।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

17 जुलाई, 2018

लखनऊ
क्षेत्रीय केन्द्र
के
निर्माणाधीन भवन
का निरीक्षण करते हुए
माननीय कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

वाराणसी, मंगलवार
17 जुलाई 2018
नगर संस्करण******
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com

पोलैंड वासियों ने बिना फोन के बिताया एक दिन 13

रोजगारपरक पाठ्यक्रम पर विशेष ध्यान

- राजर्षि टंडन, मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने उच्च शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर की चर्चा
- पीजी कालेज स्थित सामुदायिक रेडियो के स्टूडियो में कई मुद्दों पर की बातचीत

जागरण संवाददाता, गाजीपुर : पीजी कालेज स्थित सामुदायिक रेडियो से खास बातचीत में रविवार की शाम उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन, मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने उच्च शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की। अपने साक्षात्कार में प्रो. सिंह ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय में रोजगारपरक पाठ्यक्रम लागू करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी के तहत गुड्स एंड सर्विस टैक्स पर आधारित सर्टिफिकेट कोर्स विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किये जाने के साथ ही वैदिक गणित एवं योग पर आधारित पाठ्यक्रम भी संचालित किए गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा एग्री बिजनेस में डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के संचालन से कृषि विपणन के क्षेत्र में रोजगार तलाशने वाले युवकों को कई रोजगार के विकल्प उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय ने अपने को सिर्फ पठन-पाठन तक सीमित न रखकर कई जन जागरूकता अभियान मसलन.. स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आदि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। कुलपति प्रो. सिंह ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर कहा कि विश्वविद्यालयों द्वारा प्राइवेट पाठ्यक्रम के संचालन से

सामुदायिक रेडियो पर साक्षत्कार देते कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

अध्ययन के स्तर में निरंतर गिरावट देखी जा रही है। आने वाले दिनों में हमारी शासन से मांग होगी कि प्राइवेट पाठ्यक्रम संचालन समाप्त कर कालेजों में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से छात्रों को स्नातक एवं परास्नातक स्तर के अध्ययन का अवसर उपलब्ध कराया जाय। सामुदायिक रेडियो के अमितेश सिंह एवं आशीष बाजपेयी ने कार्यक्रम को रिकार्ड किया। कार्यक्रम रिकार्डिंग के समय सामुदायिक रेडियो स्टूडियो में उत्तर प्रदेश शासन के अपर महाधिवक्ता अजीत कुमार सिंह, एडवोकेट कृपा शंकर सिंह, डा. अशोक कुमार सिंह, डा. अतुल सिंह, डा. भोलेन्द्र सिंह, डा. अरुण कुमार सिंह, डा. समर बहादुर सिंह, डा. यशवन्त सिंह आदि थे।

18 Jul 2018

आनंदी मेल

राज्यपाल ने किया मुविवि की अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका का विमोचन

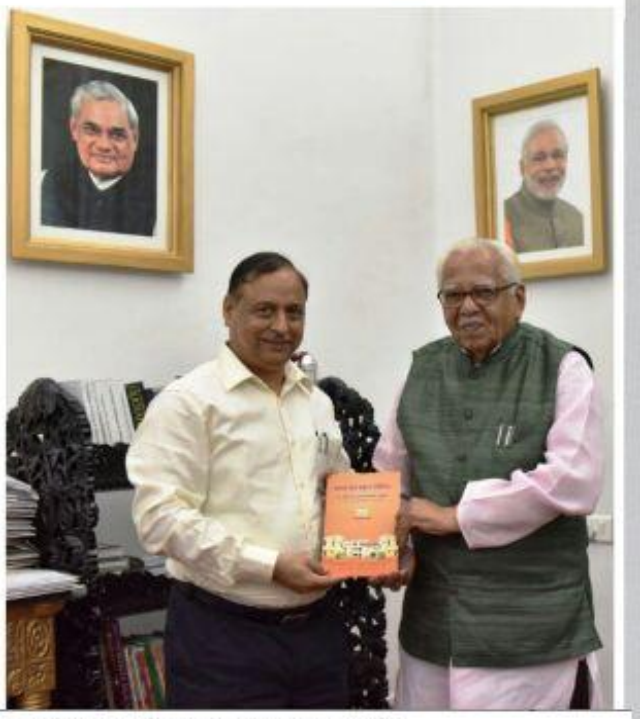

इलाहाबाद। उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विष्वविद्यालय की अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देषिका का विमोचन राजभवन में प्रदेष के राज्यपाल एवं विष्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीयुत रामनाईक ने किया। इस अवसर पर विष्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने राज्यपाल को विष्वविद्यालय में हो रहे विकास कार्यों से अवगत कराया। राज्यपाल श्री नाईक ने अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देषिका के सफल प्रकाषन पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अध्ययन केन्द्रों के संचालन में यह पुस्तिका अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी।

कुलपति प्रो0 कामेष्वर नाथ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रदेष में स्थापित 11 क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से लगभग 1000 से अधिक संचालित क्षेत्रीय केन्द्र उच्च षिक्षा का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देषिका में अध्ययन केन्द्र से सम्बन्धित सामान्य अनुदेष, अध्ययन केन्द्र स्थापित करने के लिए मानक, मापदण्ड एवं संचालित कार्यक्रम प्रवेष प्रक्रिया सम्बन्धी दिषा निर्देष, प्रवेष परीक्षा पर आधारित कार्यक्रमों में प्रवेष सम्बन्धी दिषा निर्देष, परियोजना कार्य एवं लघु शोध सम्बन्धी अनुदेष, परीक्षा सम्बन्धी दिषा-निर्देष तथा वित्त सम्बन्धित अनुदेष का विस्तार से वर्णन किया गया है।

संचालन पुस्तिका में अध्ययन केन्द्र की स्थापना हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप, प्रयोगात्मक कार्यक्रम का विवरण, देयक पत्र, अधिन्यास प्राप्ति रसीद, काउन्सिलिंग व्यय का विवरण तथा अधिन्यास पुस्तिका का वाह्य पृष्ठ का प्रारूप दर्शाया गया है।

कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि शीघ्र ही संचालन निर्देषिका ऑन लाइन कर दी जायेगी जिससे प्रदेष के सभी अध्ययन केन्द्रों पर यह आसानी से सुलभ हो सकेगी। उन्होंने बताया कि छात्रों की बढती हुई मांग के आधार पर प्रारम्भ किए गए रिमोट सेंसिंग (सुदूर संवेदन) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, कृषि विज्ञान से सम्बन्धित रोजगार परक डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र, जी0एस0टी0 एवं वैदिक गणित में डिप्लोमा तथा सर्टीफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेष प्रारम्भ हो गया है। षिक्षक और षिक्षार्थी के मध्य भौगोलिक दूरी की बाधा को कम करने के लिए विष्वविद्यालय बहुआयामी संचार पद्धति का प्रयोग कर रहा है। विष्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र की व्यापकता को देखते हुए छात्रों के हित में टोल-फ्री नम्बर 1800-120-111-333 प्रारम्भ किया गया है।

इलाहाबाद, बुधवार, 18 जुलाई, 2018

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

जातीय तनाव और आदिवासी संघर्ष खत्म करना जरूरी - 15

इलाहाबाद लाइव

राज्यपाल नाईक ने मुविवि के केन्द्र संचालन निर्देशिक का किया विमोचन

जनसंदेश न्यूज

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका का विमोचन राजभवन में प्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रामनाईक ने किया। मुविवि के कुलपति ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में हो रहे विकास कार्यों से अवगत कराया और श्री नाईक ने अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका के प्रकाशन पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पुस्तिका अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी।

उक्त जानकारी मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डा.प्रभात मिश्र ने देते हुए बताया कि कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को लखनऊ से लौटने के उपरांत बताया, तो कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गयी। कुलपति ने कहा कि प्रदेश में स्थापित 11 क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से लगभग एक हजार से अधिक संचालित क्षेत्रीय केन्द्र उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका में अध्ययन केन्द्र से सम्बन्धित सामान्य अनुदेश, अध्ययन केन्द्र स्थापित करने के लिए मानक, मापदण्ड एवं संचालित कार्यक्रम प्रवेश प्रक्रिया, प्रवेश परीक्षा पर आधारित कार्यक्रमों में प्रवेश, परियोजना कार्य एवं लघु शोध सम्बन्धी अनुदेश, परीक्षा सम्बन्धी दिशा-निर्देश तथा वित्त सम्बन्धित अनुदेश का विस्तार से वर्णन किया गया है।

पुस्तक का विमोचन करते राज्यपाल

कुलपति प्रो.सिंह ने बताया कि शीघ्र ही संचालन निर्देशिका ऑनलाइन कर दी जायेगी जिससे प्रदेश के सभी अध्ययन केन्द्रों पर यह आसानी से सुलभ हो सके। उन्होंने बताया कि छात्रों की बढ़ती मांग पर प्रारम्भ किए गए रिमोट सेंसिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, कृषि विज्ञान से सम्बन्धित रोजगार परक डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र, जीएसटी एवं वैदिक गणित में डिप्लोमा तथा सर्टीफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारम्भ हो गया है। शिक्षक और शिक्षार्थी के मध्य भौगोलिक दूरी की बाधा कम करने के लिए विश्वविद्यालय बहुआयामी संचार पद्धति का प्रयोग कर रहा है। विश्वविद्यालय ने छात्रों के हित में टोल फ्री नम्बर 1800-120-111-333 प्रारम्भ किया है।

राज्यपाल ने किया मुविवि की निर्देशिका का विमोचन

इलाहाबाद : राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की अध्ययन केंद्र संचालन निर्देशिका का मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल रामनाईक ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में हो रहे विकास कार्यों से अवगत कराया। राज्यपाल ने अध्ययन केंद्र संचालन निर्देशिका के सफल प्रकाशन पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अध्ययन केंद्रों के संचालन में यह पुस्तिका अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि 11 क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से लगभग 1000 से अधिक संचालित क्षेत्रीय केंद्र उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। जासं

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

....सच का आधार

वर्ष : 9 अंक : 109 इलाहाबाद, बुधवार 18 जुलाई 2018 पृष्ठ 8 मूल्य : 1 रुपया

विविध :मैं पंक्ति के आखिर में खड़े शख्स... | विचार : भारत में भी मी टू जैसे कैंपेन... | विविध :प्रियंका ने जन्मदिन से पहले निक ...

इलाहाबाद, बुधवार, 18 जुलाई 2018 इलाहाबाद एक्सप्रेस

राज्यपाल नाईक ने मुविवि के केन्द्र संचालन निर्देशिक का किया विमोचन

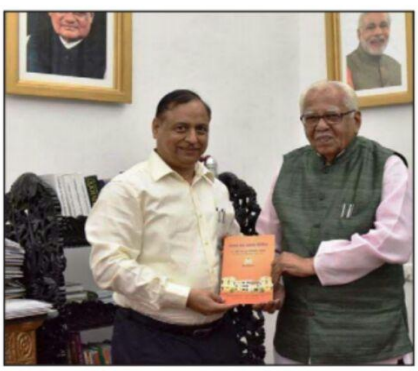

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका का विमोचन राजभवन में प्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रामनाईक ने किया। मुविवि के कुलपति ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में हो रहे विकास कार्यों से अवगत कराया और श्री नाईक ने अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका के प्रकाशन पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पुस्तिका अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। उक्त जानकारी मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डा.प्रभात मिश्र ने देते हुए बताया कि कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को लखनऊ से लौटने के उपरांत बताया, तो कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गयी। कुलपति ने कहा कि प्रदेश में स्थापित 11 क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से लगभग एक हजार से अधिक संचालित क्षेत्रीय केन्द्र उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका में अध्ययन केन्द्र से सम्बन्धित सामान्य अनुदेश, अध्ययन केन्द्र स्थापित करने के लिए मानक, मापदण्ड एवं संचालित कार्यक्रम प्रवेश प्रक्रिया, प्रवेश परीक्षा पर आधारित कार्यक्रमों में प्रवेश, परियोजना कार्य एवं लघु शोध सम्बन्धी अनुदेश, परीक्षा सम्बन्धी दिशा-निर्देश तथा वित्त सम्बन्धित अनुदेश का विस्तार से वर्णन किया गया है। कुलपति प्रो.सिंह ने बताया कि शीघ्र ही संचालन निर्देशिका ऑनलाइन कर दी जायेगी जिससे प्रदेश के सभी अध्ययन केन्द्रों पर यह आसानी से सुलभ हो सके। उन्होंने बताया कि छात्रों की बढ़ती मांग पर प्रारम्भ किए गए रिमोट सेंसिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, कृषि विज्ञान से सम्बन्धित रोजगार परक डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र, जीएसटी एवं वैदिक गणित में डिप्लोमा तथा सर्टीफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारम्भ हो गया है। शिक्षक और शिक्षार्थी के मध्य भौगोलिक दूरी की बाधा कम करने के लिए विश्वविद्यालय बहुआयामी संचार पद्धति का प्रयोग कर रहा है। विश्वविद्यालय ने छात्रों के हित में टोल फ्री नम्बर 1800-120-111-333 प्रारम्भ किया है।

बुधवार,18 जुलाई, 2018

पिछले अंक

फतवे को सुप्रीमकोर्ट में चुनौती देगी बरेली की निदा पेज 15 | इंग्लैंड से निर्णायक जंग में भारतीय टीम पस्त पेज 18

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

अमेरिका को दोटूक

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि अमेरिकी चुनाव में हस्तक्षेप की जांच राजनीति प्रेरित है।

www.livehindustan.com

आज का दिन: 1743 में साप्ताहिक अखबार 'न्यूयार्क' में पहली बार आधे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित।

राज्यपाल ने किया निर्देशिका का विमोचन

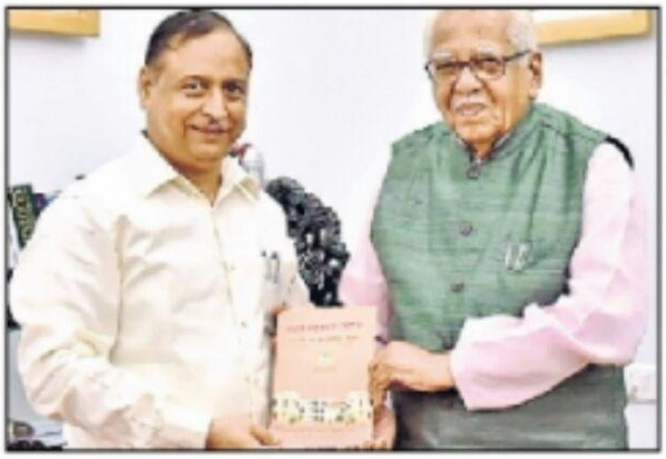

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विवि के अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका का विमोचन राजभवन में प्रदेश के राज्यपाल एवं विवि के कुलाधिपति राम नाईक ने किया। इस अवसर पर विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने राज्यपाल को विवि में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। राज्यपाल ने कहा कि अध्ययन केन्द्रों के संचालन में यह पुस्तिका अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी।

अमर उजाला

वर्ष 22 । अंक 33 । पृष्ठ : 16

इलाहाबाद
बुधवार, 18 जुलाई 2018

amarujala.com

खुशखबरी: परिवहन के नियमित कर्मियों का 2% बढ़ा महंगाई भत्ता...7 उत्तर प्रदेश

राज्यपाल ने किया मुक्त विवि की निर्देशिका का विमोचन

इलाहाबाद । राज्यपाल राम नाईक ने राजभवन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की अध्ययन केंद्र संचालन निर्देशिका का विमोचन किया। राज्यपाल ने निर्देशिका के सफल प्रकाशन पर वहां मौजूद कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह को शुभकामनाएं देते हुए निर्देशिका को अध्ययन केंद्रों के संचालन के लिए उपयोगी पुस्तक बताया। इसमें अध्ययन केंद्र की स्थापना के लिए आवेदन पत्र का प्रारूप, प्रयोगात्मक कार्यक्रम का विवरण, देयक पत्र, अधिन्यास प्राप्ति रसीद, काउंसलिंग व्यय का विवरण और अधिन्यास पुस्तिका का बाह्य पृष्ठ का प्रारूप दर्शाया गया है। कुलपति के मुताबिक शीघ्र ही संचालन निर्देशिका ऑनलाइन कर दी जाएगी।

BBD GROUP

वॉयस ऑफ लखनऊ

गुरुवार 19 जुलाई, 2018 लखनऊ, महानगर, वर्ष 13, अंक 196, 16 पेज 2.00 रुपए

www.facebook.com/voicepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सच, सिर्फ सच

असैन्य ड्रोन उड़ाने की मिल सकती है अनुमति

सरकार जल्द ही देश में मानव रहित विमानों (ड्रोन) की उड़ान को आसान बनाने के लिए नियामकीय ढांचा ला सकती है। संभावना है कि अगस्त माह से देश में असैन्य उद्देश्यों के लिये ड्रोन विमानों की उड़ान को मंजूरी दे दी जाए। } 13

बॉलीवुड में जाति विभाजन का होता है महिमामंडन

जाति विभाजन और झूठी शान के नाम पर हत्या की थीम पर आधारित बहुचर्चित मराठी फिल्म सैराट की हिन्दी रिमेक धड़क के साथ अपने करियर की शुरुआत करने जा रही जाह्नवी कपूर ने कहा है कि यह फिल्म बॉलीवुड की मुख्य धारा की फिल्मों से अलग है। } 16

22 भाषाओं में भाषण सकते हैं सांस सदन } 14

अध्ययन में मदद देगी निर्देशिका

वरिष्ठ संवाददाता

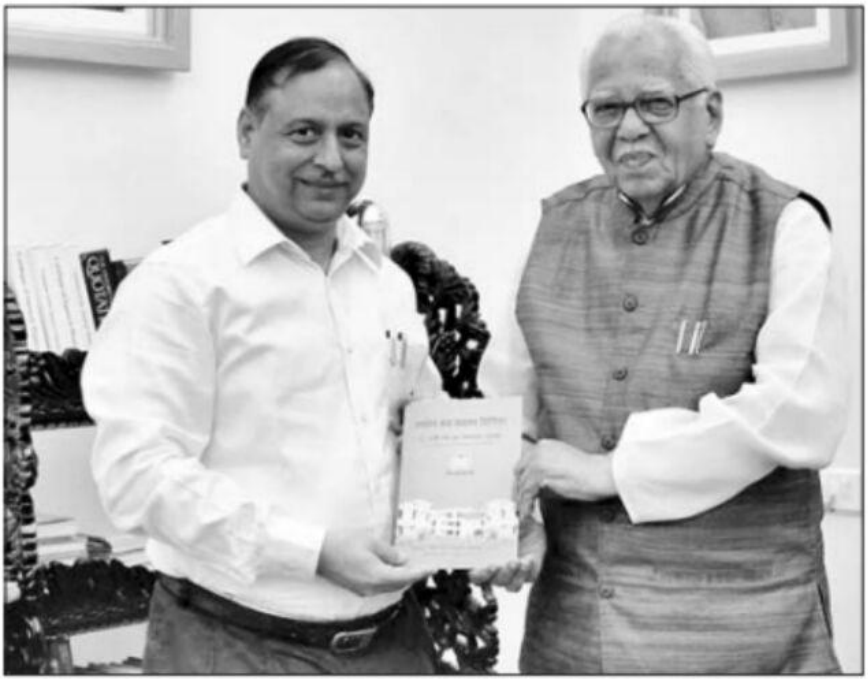

लखनऊ। उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका का विमोचन राजभवन में प्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रामनाईक ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में हो रहे विकास कार्यों से अवगत कराया।

राज्यपाल नाईक ने अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका के सफल प्रकाशन पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अध्ययन केन्द्रों के संचालन में यह पुस्तिका अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रदेश में स्थापित 11 क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से लगभग 1000 से अधिक संचालित क्षेत्रीय केन्द्र उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। अधिन्यास पुस्तिका का वाह्य पृष्ठ का प्रारूप दर्शाया गया है।

कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि शीघ्र ही संचालन निर्देशिका ऑन लाइन कर दी जायेगी जिससे प्रदेश के सभी अध्ययन केन्द्रों पर यह आसानी से सुलभ हो सकेगी। उन्होंने बताया कि छात्रों की ब-सजयती हुई मांग के आधार पर प्रारम्भ किए गए रिमोट सेंसिंग (सुदूर संवेदन) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, कृषि विज्ञान से सम्बन्धित रोजगार परक डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र, जीएसटी एवं वैदिक गणित में डिप्लोमा तथा सर्टीफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारम्भ हो गया है। शिक्षक और शिक्षार्थी के मध्य भौगोलिक दूरी की बाधा को कम करने के लिए विश्वविद्यालय बहुआयामी संचार पद्धति का प्रयोग कर रहा है। विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र की व्यापकता को देखते हुए छात्रों के हित में टोल-फ्री नम्बर 1800120111333 प्रारम्भ किया गया है।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

18 जुलाई, 2018

यूपीआरटीओयू के माननीय कुलपति ने मदनमोहन मालवीय पोस्ट ग्रेजुएट कालेज कालाकॉकर–प्रतापगढ़ में नये अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन किया

दिनांक 18 जुलाई, 2018 को मदनमोहन मालवीय पोस्ट ग्रेजुएट कालेज कालाकॉकर–प्रतापगढ में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद प्रतापगढ़ राजकुमारी रत्ना सिंह के प्रतिनिधि डॉ0 घनश्याम यादव जी रहे। समारोह की अध्यक्षता एवं धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य डॉ0 सूर्यभान सिंह ने की।

फीता काटकर अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा साथ में कालेज के प्राचार्य डॉ0 सूर्य मान सिंह एवं डॉ0 घनश्याम यादव जी।

इस अवसर पर कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रतापगढ़ राजकुमारी रत्ना सिंह के प्रतिनिधि डॉ0 घनश्याम यादव ने कुलपति जी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अनुराग शुक्ला ने किया। प्राचार्य डॉ0 सूर्यभान सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया इस अवसर पर महाविद्यालय के केन्द्र समन्वयक श्री भूपेश प्रताप सिंह, डॉ0 प्रदीप कुमार सिंह, डॉ0 सिद्धार्थ सिंह, डॉ0 रामकरन, डॉ0 शिवभूषण, डॉ0 उग्रसेन सिंह, डॉ0 विनीता सिंह, डॉ0 अजय त्रिपाठी, श्री अब्दुल रज्जाक, श्री मैकू लाल गुप्त, श्रीमती प्रीती सिंह, डॉ0 रेखा सिंह, श्री सत्य प्रकाश सिंह चौहान, श्री उदय सिंह, श्री अशफाक अहमद आदि ने माननीय कुलपति जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 अनुराग शुक्ला एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

मॉ सरस्वती जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ0 सिद्धार्थ सिंह एवं माननीय कुलपति जी का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए कालेज परिवार के सदस्यगण।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

छात्र–छात्राएं डिग्री के साथ रोजगार परक डिप्लोमा भी प्राप्त करें– प्रो0 सिंह

उद्घाटन समारोह में कुलपति जी ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुये कहा कि छात्र–छात्राएं अपनी नियमित पढ़ाई के साथ–साथ उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन द्वारा संचालित रोजगार परक पाठ्यक्रम भी पूरा कर सकते हैं। कुलपति जी ने छात्र–छात्राओं को प्रेरित करते हुये बताया कि प्रत्येक के अन्दर कार्य करने की विलक्षण प्रतिभा है। मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम उनकी प्रतिभा को निखारने में मदद करता है।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
लखनऊ LIVE
हिन्दुस्तान
लखनऊ • गुरुवार • 19 जुलाई 2018

एलयू के राजर्षि टंडन केन्द्र में दाखिले शुरू

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र की बुधवार को शुरुआत कर दी गई। यहां 15 सितम्बर तक दाखिले होंगे। बुधवार को एलयू वीसी प्रो. एसपी सिंह की ओर से इस पर मोहर लगा दी गई है। ऐसे में जिन अभ्यर्थियों को एलयू में दाखिला नहीं मिला है उनको परिसर में ही अध्ययन का एक विकल्प मिला है।

एलयू की ओर से वर्तमान सत्र के लिए इस स्टडी सेंटर पर आवेदन भी शुरू हो गए हैं। अभ्यर्थी यूपीआरटीओयू की वेबसाइट http://www.uprtou.ac.in/ पर नए सत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में जब लखनऊ के स्टडी सेंटर्स की सूची आएगी तो अभ्यर्थियों को लखनऊ विश्वविद्यालय स्टडी सेंटर का विकल्प चुनना होगा।

इस संबंध में अगर किसी अभ्यर्थी को जानकारी लेनी हो तो वह एलयू के सोशल वर्क विभाग में संपर्क कर सकता है।

इन कोर्सों में कर सकते हैं आवेदन

● मास्टर ऑफ सोशल वर्क ● एमए पॉलिटिकल साइंस ● एमए सोशियॉलजी ● एमए एजुकेशन ● एमए हिंदी ● एमए हिस्ट्री ● एमबीए ● एमए इन जर्नलिज्म ● पीजी डिप्लोमा इन योग ● पीजी डिप्लोमा इन डिस्टेंस एजुकेशन ● पीजी डिप्लोमा इन क्रियेटिव राइटिंग ● पीजी डिप्लोमा इन एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेशन ● पीजी डिप्लोमा इन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ● पीजी डिप्लोमा इन एचआरडी ● पीजी डिप्लोमा इन रूरल डेवलपमेंट ● पीजी डिप्लोमा इन करियर काउंसलिंग ● डिप्लोमा इन योग ● डिप्लोमा इन हेल्थ एजुकेशन ● डिप्लोमा इन एलिमेंट्री चाइल्ड एजुकेशन ● सर्टिफिकेट इन डिजास्टर मैनेजमेंट ● सर्टिफिकेट इन एचआईवी ऐंड फैमिली एजुकेशन ● सर्टिफिकेट इन 'ह्यूमन राइट ● सर्टिफिकेट इन क्रिमिनॉलजी ● सर्टिफिकेट इन चाइल्ड केयर ● सर्टिफिकेट इन रूरल मैनेजमेंट ● सर्टिफिकेट इन वुमन इंपावरमेंट ● सर्टिफिकेट इन रूरल जर्नलिज्म ● सर्टिफिकेट इन योग। इसके अलावा एचआईवी एंड फैमिली स्टडीज, पोषण एवं आहार, पंचायती राज और योग में जागरूकता कार्यक्रम के कोर्स भी शामिल हैं।

शिक्षा की अन्य खबरें देखें : पेज-20

प्रतापगढ़-कौशाम्बी

कुलपति पहुंचे डिग्री कालेज कालाकांकर

परियावां। विकास क्षेत्र कालाकांकर के मदन मोहन मालवीय पोस्ट ग्रेजुएट कालेज कालाकांकर में बुधवार को कुलपति प्रो. केएन सिंह कालेज पहुंचे, जहा कालेज की प्रबंधिका एवं पूर्व सांसद राजकुमारी रत्ना सिंह की ओर से राजभवन मैनेजर डा. घनश्याम यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में आये कुलपति प्रो. केएन सिंह को स्मृति चिन्ह भेट किया। इस अवसर पर कुलपति ने छात्रो को उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहबाद द्वारा संचालित पाठ्यक्रमो में विद्यार्थियो को अवगत कराया व अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन डा. अनुराग शुक्ल ने किया। स्वागत गीत बीएड की छात्रा सुजाता व राधा ने प्रस्तुत किया। आभार प्राचार्य डा. सूर्यभान सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर डा. भूपेश सिंह, डा. रामवरन, डा. सिद्धार्थ सिंह, डा. प्रदीप सिंह, डा. उग्रसेन डा. शिव भूषण गुप्ता, डा. इन्दु रेखा सिंह, डा. वीरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

SUNDAY | 22.07.2018
उत्तर प्रदेश
amarujala.com
अमर उजाला
महानगर वर्ष 22 | अंक 37 | पृष्ठ : 22+4 | मूल्य : छह रुपये
इलाहाबाद
• 7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 20 संस्करण

बड़े बालों में बुद्धिमान!
आज मनोरंजन
आइंस्टीन को देखा। लियोनार्डो की तस्वीर देखी। बुद्धिमान बड़े बालों में ही क्यों दिखते हैं?

अमर उजाला
भविष्य ज्योति सम्मान

90 से अधिक मेधावी सम्मानित

बनें प्रतिभावान, दुनिया करेगी सम्मान

न्यायमूर्ति शशिकांत व कुलपति केएन सिंह ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के टिप्स

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद। सामाजिक सरोकार के दायित्व निर्वहन की कड़ी में अमर उजाला की ओर से शनिवार को सीबीएसई, आईसीएसई और यूपी बोर्ड की दसवीं तथा बारहवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 90 से अधिक मेधावियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शशिकांत व कुलपति प्रो. केएन सिंह ने विद्यार्थियों को नसीहत दी कि प्रतिभाशाली बनें, तभी दुनिया में उनका सम्मान होगा।

शनिवार को केंद्रीय राज्य पुस्तकालय के सभागार में आयोजित अमर उजाला भविष्य ज्योति सम्मान समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शशिकांत व आयोजन की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इसके बाद दोनों विशिष्टजनों ने होनहार छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर हौसला बढ़ाया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति शशिकांत ने अमर उजाला के इस आयोजन को सराहनीय पहल करार देते हुए जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कहा कि हर व्यक्ति में अनंत संभावनाएं हैं। जिस किसी ने बुद्धि व ज्ञान रूपी शीशे को साफ कर सही दिशा में मेहनत की, उसने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। राजर्षि टंडन मुविवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि यह दौर ज्ञान का है। इस युग में जिसके पास मेधा है, वही संपन्न है। उन्होंने कहा कि जो बच्चे सम्मान पाने से चूक गए, उनमें भी क्षमता है। इस दौरान सह विद्यालय निरीक्षक पीके पांडेय, पुस्तकालयाध्यक्ष शिवमूर्ति शुक्ला, ज्वाला देवी के प्रधानाचार्य युगल किशोर, बीबीएस की प्रधानाचार्य रजनी शर्मा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन राजकीय इंटर कॉलेज के शिक्षक प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।

कुलपति प्रो. केएन सिंह

न्यायमूर्ति शशिकांत।

अमर उजाला के भविष्य ज्योति कार्यक्रम में सम्मानित मेधावी छात्र-छात्राओं प्रमाण पत्र व मेडल के साथ।

दसवीं के मेधावी

दसवीं के मेधावियों में अंजली वर्मा, दिव्या, वरद अग्रवाल, मोहम्मद रेहान सिद्दीकी, प्राची सिंह, सुयश त्रिपाठी, मानसी यादव, प्रबल सिंह, अंजोरा त्रिपाठी, जाह्नवी कुशवाहा, पंखुरी देशमुख, सुहाना हुसैन चौधरी, नव्या गौतम, आयुष्मान अग्रवाल, हार्दिक प्रताप सिंह, आकांक्षा श्रीवास्तव, अधिराज चौधरी, मन्नत मिश्रा, कौस्तुभ उपाध्याय, सौरभ शुक्ला, शिखा सुमन, शिवांगी यादव, अलंकृत सक्सेना, दिव्यांशु राय, शक्ति मिश्रा, अनुज सिंह, वंशिका अग्रवाल, तेजस वर्मा, कनिष्क श्रीवास्तव, तन्मय महेश्वरी, अनन्या बिष्ट, प्रियांशी दीक्षित, श्रेया गुप्ता, श्रेया सक्सेना, अंकिता सिंह, मीमांसा, मानसी सिंह, ज्योति यादव, शिखा शुक्ला, श्रृष्टि सिंह, निष्ठा पांडेय, जागृति उपाध्याय, दिव्यांशु, स्वाति शर्मा, वर्तिका शुक्ला शामिल हैं।

बारहवीं के मेधावी

बारहवीं के मेधावियों में प्रियदर्शी सिंह, शिवानी वर्मा, मेघना मिश्रा, प्रांजल सिंह, अंकिता सिंह, अजय कुमार, मोहम्मद ओसामा, वसुंधरा अग्रवाल, शोभित गुप्ता, शुभम अग्रवाल, सफीरा हुसैन चौधरी, वैष्णवी केसरवानी, कविशा गुप्ता, मैत्री गोयल, पलक श्रीवास्तव, निखिल जोस, सत्यांश सिंह, सृजन सक्सेना, मानसी त्रिपाठी, निखिल मिश्रा, शिवानी, हर्ष मिश्रा, संजीव मिश्रा, शिवांश कृष्ण, सताक्षी दुबे, कनिष्क जौहरी, क्षितिज गोयल, आकाश कुमार श्रीवास्तव, शुभ भार्गव, स्निग्धा तिवारी, रख्शां उस्मानी, अभिनव मिश्र, अमन कुमार, विवेक कुमार, अनिकेत सिंह, अमन सिंह, दीपशिखा सिंह, रचित पांडेय, रोहित कृष्ण, अनामिका तिवारी, अमन शर्मा, क्षितिज मिश्र, दिव्यम मिश्रा, अक्षत अग्रवाल, शमरीन बानो, अंजली यादव, आयुषी जायसवाल आदि शामिल थीं।

अभिभावकों ने अमर उजाला को सराहा

अपर्णा एस वर्मा

प्रवीण सिंह

ममता वर्मा

धर्मेंद्र यादव

इलाहाबाद। अपने होनहार बच्चों के साथ सम्मान समारोह में पहुंचे अभिभावकों ने अमर उजाला के आयोजन की जमकर सराहना की। प्रवीण सिंह, अपर्णा एस वर्मा, डॉ. धर्मेंद्र यादव , मोना अग्रवाल, ममता वर्मा ने मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के लिए अमर उजाला को धन्यवाद दिया। कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को आगे बढ़ने का हौसला मिलता है।

मोना अग्रवाल

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

25 जुलाई, 2018

आगरा, नोएडा, मेरठ एवं बरेली क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकों की कार्यशाला

दीन दयाल धाम स्थित पं0 दीन दयाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुये राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी साथ में निदेशक डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी व अन्य

दीनदयाल धाम

- राजर्षि टंडन मुक्त विवि द्वारा आयोजित कार्यशाला
- एकात्म मानववाद व अंन्त्योदय पर शुरू होंगे जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 25 जुलाई, 2018 को पं0 दीन दयाल उपाध्याय स्मृति शोध संस्थान, फरह, मथुरा में आगरा, नोएडा, मेरठ एवं बरेली क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकों की कार्यशाला **''मुक्त शिक्षाः चुनौतियाँ एवं संभावनायें''** विषय पर आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि पं0 दीन दयाल उपाध्याय स्मृति शोध संस्थान, फरह, मथुरा के निदेशक डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी रहे एवं कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की। कार्यशाला में नोएडा के प्रभारी निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव ने आन लाइन प्रवेश के सम्बन्ध में जानकारी दी, और अध्ययन केन्द्र समन्वयकों से अनुरोध किया कि वे अपने–अपने क्षेत्र में रोजकारपरक एवं कौशल विकास पर आधारित पाठ्यक्रमों में अधिक से अधिक प्रवेश सुनिश्चित करें। आगरा, मेरठ एवं बरेली के प्रभारी निदेशक डॉ0 आशुतोष गुप्ता ने विश्वविद्यालय में संचालित तकनिकी कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा की निदेशिका डॉ0 कविता त्यागी, मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 पूनम गर्ग, एवं बरेली क्षेत्रीय के के निदेशक डॉ0 आर0बी0 सिंह ने विविध क्षेत्रों में विचार रखे। संचालन आगरा क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 सुचिता चतुर्वेदी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 पूनम गर्ग ने किया।

इस अवसर पर आगरा, नोएडा, मेरठ एवं बरेली क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अनौपचारिक सत्र

प्रारम्भ में सभी अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकों की एक अनौपचारिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य/समन्वयकों ने अपने–अपने क्षेत्र से सम्बन्धित समस्यायें एवं सुझावों को आपस में साझा किया।

उद्घाटन सत्र

कार्यशाला का संचालन करती हुई आगरा क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 सुचिता चतुर्वेदी

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए
पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध संस्थान के निदेशक डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी रहे
एवं
माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा डॉ0 पूनम गर्ग व डॉ0 आर0बी0 सिंह जी।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत करती हुई मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 पूनम गर्ग एवं नोएडा के प्रभारी निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव आगरा, मेरठ एवं बरेली के प्रभारी निदेशक डॉ0 आशुतोष गुप्ता, क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा की निदेशिका डॉ0 कविता त्यागी व मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 पूनम गर्ग को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए समन्वयकगण।

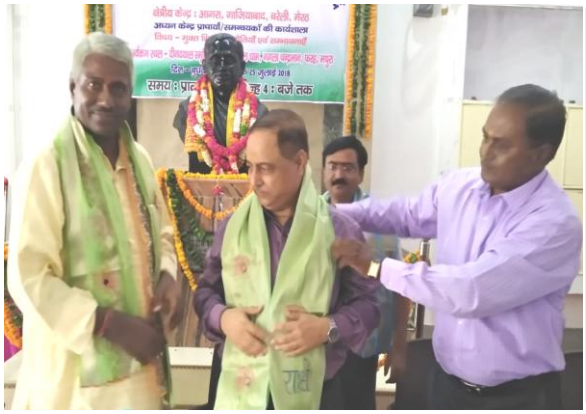

अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकों एवं क्षेत्रीय केन्द्र निदेशको को अंगवस्त्र प्रदान करते हुए मा0 कुलपति जी एवं मा0 कुलपति जी को अंगवस्त्र प्रदान करते हुए डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी व प्रो0 आर0पी0एस0 यादव जी।

कार्यशाला में आये हुए मा0 अतिथि को बैग प्रदान करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी साथ में मुख्य अतिथि डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव जी एवं प्रो0 आशुतोष गुप्ता जी।

दीनदयाल धाम के निदशक डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी ने कहा कि राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों की कार्यशाला ब्रज क्षेत्र में आयोजित किये से इस क्षेत्र में मुक्त शिक्षा का प्रसार बढेगा एवं ब्रज क्षेत्र के लोग मुक्त शिक्षा के कार्यक्रमों में रुचि बढ़ेगा। उन्होंने ने दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन को विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों में शामिल किये जाने पर जोर दिया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि पं0 दीन दयाल उपाध्याय स्मृति शोध संस्थानमथुरा के निदेशक डॉ0राजेन्द्र प्रसाद जी

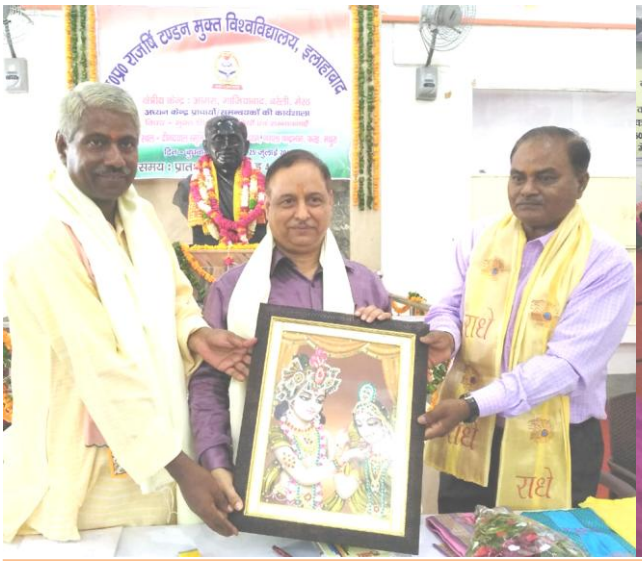

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए डॉ0राजेन्द्र प्रसाद जी एवं प्रो0 आर0पी0एस0 यादव जी।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

उच्च शिक्षा को सार्वभौमिक एवं सर्व सुलभ बनाना इस विश्वविद्यालय का मौलिक उददेश्य– प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

दीन दयाल धाम में मुक्त शिक्षा की समस्यायें, चुनौतियां एवं सम्भावनायें विषय पर हुई कार्यशाला एवं समन्वयकों के सम्मेलन में अपनी बात रखते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने नये सत्र से स्वच्छता, कुम्भ और अन्त्योदय एकात्म मानववाद जैसे विषयों पर भी पाठ्यक्रम शुरू किये है। उच्च शिक्षा को सार्वभौमिक एवं सर्व सुलभ बनाना इस विश्वविद्यालय का मौलिक उददेश्य है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न सेवाओं में लगे लोग दैनिक रूप से नियमित कक्षाओं में नहीं जा सकते। उन्हें उच्च शिक्षा देने के लिए विश्वविद्यालय सतत प्रगतिशील रहा है केवल परम्परागत विषय ही नहीं, बल्कि सामाजिक विषयों पर आधारित पाठ्यक्रम भी मुक्त विश्वविद्यालय में शुरू किये हैं, जो कि रोजगारपरक है। वहीं, भारत की सांस्कृतिक धरोहर को ध्यान में रखते हुए प्राचीन भारतीय विधाओं पर आधारित पाठ्यक्रम यदा वैदिक गणित ज्योतिष आदि पर आधारित पाठ्यक्रम भी शुरू किए हैं। हर छात्र तक पुस्तक समय से पहुंचे, इस सत्र से ऐसी व्यवस्था की जा रही है।

धन्यवाद ज्ञापन करती हुई मेरठ की क्षेत्रीय केन्द्र निदेशिका डॉ0 पूनम गर्ग

मथुरा, गुरुवार
26 जुलाई 2018
नगर*
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

शहर इमाम, पूर्व पति समेत तीन के खिलाफ निदा ने दी तहरीर 09
अफ्रीका से रिश्तों पर मोदी के दस सिद्धांत 18

मथुरा जागरण
आगरा/मथुरा, 26 जुलाई 2018 दैनिक जागरण

दीनदयाल धाम में शिक्षा की संभावनाओं पर मंथन

संवाद सूत्र, फरह: पत्राचार से उच्च शिक्षा देने की दिशा में काम कर रही राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने नए सत्र से स्वच्छता, कुंभ और अंत्योदय एकात्म मानववाद जैसे विषयों पर भी पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। उच्च शिक्षा को सार्वभौमिक एवं सर्वसुलभ बनाना इस विश्वविद्यालय का मौलिक उद्देश्य है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केएन सिंह ने दीनदयाल धाम में मुक्त शिक्षा की समस्याएं, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर हुई कार्यशाला एवं समन्वयकों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि विभिन्न सेवाओं में लगे लोग दैनिक रूप में नियमित कक्षाओं में नहीं जा सकते हैं। उन्हें उच्च शिक्षा देने के लिए विश्वविद्यालय सतत प्रगतिशील

दीनदयाल धाम स्थित पं. दीनदयाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह। साथ में निदेशक राजेंद्र प्रसादजी व अन्य ● जागरण

रहा है। केवल परंपरागत विषय ही नहीं, बल्कि समसामयिक विषयों पर आधारित पाठ्यक्रम भी मुक्त विश्वविद्यालय में शुरू किए हैं, जो कि रोजगारपरक हैं। वहीं, भारत की सांस्कृतिक धरोहर को ध्यान में रखते हुए प्राचीन भारतीय विधाओं पर आधारित पाठ्यक्रम यदा वैदिक गणित ज्योतिष आदि पर आधारित पाठ्यक्रम भी शुरू किए हैं। हर छात्र तक पुस्तक समय से पहुंचे, इस सत्र से ऐसी व्यवस्था की जा रही है। दीनदयाल

राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने शुरू किए रोजगारपरक कोर्स, शिक्षा की समस्याएं, संभावनाएं और चुनौतियों पर भी हुई चर्चा

धाम के निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में एकात्म मानववाद को शामिल करने पर प्रकाश डाला। आगरा एवं बरेली मेरठ के प्रभारी डॉ. आशुतोष गुप्ता ने विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र की निदेशक डॉ. कविता त्यागी व मेरठ क्षेत्र निर्देशिका डॉ. पूनम गर्ग ने भी विविध क्षेत्रों में विचार रखें। संचालन आगरा क्षेत्र की निदेशक डॉ. सुचिता चतुर्वेदी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पूनम गर्ग ने दिया।

स्वदेश
Powered By : Swadesh Digital

उच्च शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना हमारा उद्देश्य-प्रो. केएन सिंह

दीनदयाल धाम

- राजर्षि टंडन मुक्त विवि द्वारा आयोजित कार्यशाला
- एकात्म मानववाद व अंन्त्योदय पर शुरू होंगे जागरूकता कार्यक्रम

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते कुलपति प्रो. केएन सिंह, निदेशक दीनदयाल धाम राजेंद्र व अन्य।

आगरा। उच्च शिक्षा को सार्वभौमिक एवं सर्वसुलभ बनाना ही राजर्षि टंडन मुक्त विवि का मौलिक उद्देश्य है। यह कहना है विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह का। बुधवार को वह फरह स्थित दीनदयाल धाम में मुक्त शिक्षा की समस्याएं-चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में उन्होंने जानकारी दी कि विवि ने केवल पारंपरिक विषय ही नहीं अपितु सम सामयिक विषयों पर आधारित पाठ्यक्रम भी शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर को मुखरित करने की दृष्टि से प्राचीन भारतीय विधाओं पर पर विवि ने पाठ्यक्रम शुरू किए हैं और इसी सत्र से कुंभ अन्त्योदय, एकात्म मानववाद पर भी जागरूकता पाठ्यक्रमों की शुरूआत की है।

कार्यशाला में दीनदयाल धाम के निदेशक राजेंद्र जी ने एकात्म मानववाद की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में आगरा, बरेली व मेरठ के प्रभारी डॉ. आशुतोष गुप्ता, क्षेत्रीय केंद्र प्रभारी डॉ. आरबी सिंह, डॉ. कविता त्यागी, डॉ. पूनम गर्ग आदि उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन आगरा क्षेत्र की निदेशिका डॉ. सुचिता चतुर्वेदी ने किया।

अमर उजाला
अपना शहर मथुरा

मुक्त शिक्षा पर कार्यशाला आयोजित

फरह। उच्च शिक्षा को सार्वभौमिक एवं सर्व सुलभ बनाना ही राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का मौलिक उद्देश्य हैं। यह विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने दीनदयाल धाम में आयोजित मुक्त शिक्षा की समस्याएं, चुनौतियां एवं संभावना विषय पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किए।

बुधवार को आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना मजदूर, गृहणी और विभिन्न सेवाओं में कार्यरत लोगों को शिक्षा प्रदान करना है। रोजगार परक शिक्षा दिलाना है। भारतीय विद्याओं को आम लोगों तक पहुंचाना है। ब्यूरो

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

30 जुलाई, 2018

गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्रचार्य एवं समन्वयकों की कार्यशाला

दिनांक 30 जुलाई, 2018 को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के संवाद भवन के सभागार में गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों की कार्यशाला **''मुक्त शिक्षाः चुनौतियॉ एवं संभावनायें''** विषय पर आयोजित की गयी। कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि विधि विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रो0 चन्द्रशेखर जी रहे एवं कार्यशाला की अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

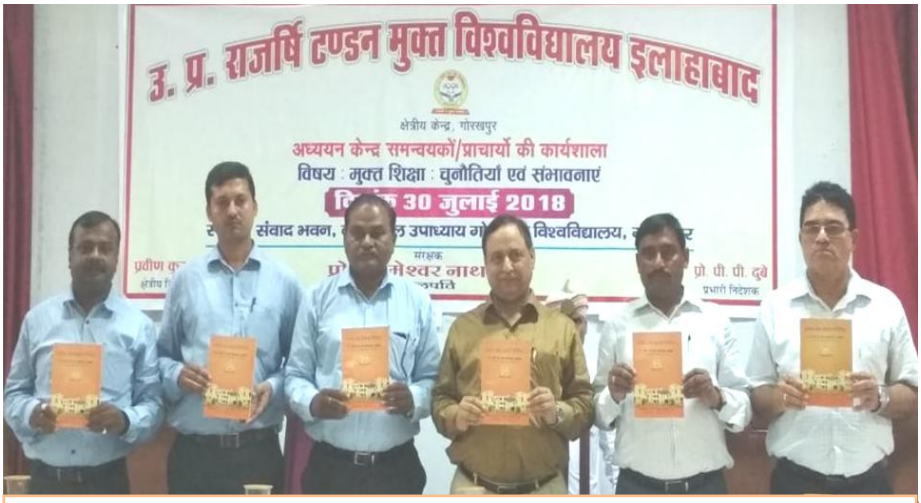

अध्ययन केन्द्र निर्देशिका का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

कार्यशाला का संचालन प्रो0 संजीत गुप्ता, समन्वयक, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने किया। निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 पी0 पी0 दुबे ने समन्वयकों की समस्याओं पर प्रत्यक्ष वार्ता किया। निदेशक मानविकी विद्याशाख एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव ने विश्वविद्यालय की नयी योजनाओं पर प्रकाश डाला। गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक श्री प्रवीण कुमार ने अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रवेश प्रभारी डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, अध्ययन केन्द्र प्रभारी डॉ0 पी0पी0 दुबे आदि ने विचार व्यक्त किए। टेक्निकल आफिसर श्री सहबाज अहमद ने आन–लाइन प्रवेश प्रक्रिया के बारे में प्रस्तुतिकरण किया।कार्यक्रम के आयोजन में डॉ0 संजीव कुमार सिंह, डॉ0 आनन्द कुशवाहा, डॉ0 शालिनी मिश्रा आदि की प्रमुख भूमिका रही। कार्यशाला में गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने प्रतिभाग किया।

राजर्षि टंडन मुक्त विवि द्वारा आयोजित कार्यशाला

प्रो० संजीत गुप्ता, समन्वयक, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर कार्यशाला का संचालन करते हुए एवं अपने प्रस्ताविकी व्याख्यान में अधिन्यास एवं परामर्श तथा स्वअध्याय पर आधारित मुक्त शिक्षा के विविध आयामों पर प्रकाश डाला।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं अन्य तथा सभागार में उपस्थित अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकगण।

अनौपचारिक सत्र

प्रारम्भ में सभी अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकों की एक अनौपचारिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य/समन्वयकों ने अपने–अपने क्षेत्र से सम्बन्धित समस्यायें एवं सुझावों को आपस में साझा किया।

अनौपचारिक सत्र में बोलते हुए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकगण

उद्घाटन सत्र

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर के निदेशक श्री प्रवीण कुमार जी

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को माला पहनाकर उनका स्वागत करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0पी0 दुबे जी एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर के निदेशक श्री प्रवीण गुप्ता जी

समन्वयकों की समस्याओं पर प्रत्यक्ष वार्ता करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0पी0 दुबे

निदेशक मानविकी विद्याशाख एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव ने विश्वविद्यालय की नयी योजनाओं पर प्रकाश डाला। /

प्रोफेसर चन्द्रशेखर

विशिष्ट अतिथि के रूप में अपना व्याख्यान देते हुये विधि विभाग के प्रोफेसर चन्द्रशेखर जी ने कहा कि साइबर लॉ का पाठ्यक्रम सामाजिक महत्व का है। एवं यह विधि के छात्रों के साथ साथ सभी वर्गो के लिये इस डिजिटल युग में उपयोगी एवं समसामायिक आवश्श्यकता है प्रो0 चन्द्रशेखर ने कहा कि शिक्षा एक आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है जिसे मूलरूप राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने दिया है। मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के स्वयंप्रभा एवं मुख्य जैसी विधायें इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मुक्त शिक्षा ही भविष्य की शिक्षा है– प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह ने गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों एवं प्राचार्यों की कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी क्रान्ति के बाद मुक्त शिक्षा के विकास का भविष्य प्रशस्त होता जा रहा है एवं मुक्त शिक्षा ही भविष्य की शिक्षा है। आज देश में 60 करोड़ लोग स्मार्ट फोन एवं 50 करोड़ लोग इन्टरनेट के उपभोक्ता है जिसका उपयोग उच्च शिक्षा के क्षेत्र में करके उच्च शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन सम्भव है। प्रो0 सिंह ने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा में एक नामांकन अनुपात 2016–17 में 25 प्रतिशत रहा, जबकि यू0एस0ए0 में यह अनुपात 85 प्रतिशत है। भारत में ही इसके अन्तर प्रादेशिक भिन्नता है। एक तरफ चण्डीगढ़ में 54 प्रतिशत है जबकि बिहार में 14 प्रतिशत एवं उत्तर प्रदेश में 24 प्रतिशत है। मानव संशाधन विकास मंत्रालय इस नामांकन अनुपात को 2020 तक 30 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे पूरा करने में उ0प्र0 मुक्त विश्वविद्यालय की निर्णायक भूमिका है, क्योंकि जनसंख्या की दृष्टि से यह वृहतक राज्य है। राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने उ0प्र0 के अनाभिगम्य क्षेत्रों एवं उच्च शिक्षा से वंचित वर्ग तक गुणात्मक उच्च शिक्षा को सर्व सुलभ बनाने का संकल्प लिया है।

प्रो0 सिंह ने कहा कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढाई के साथ–साथ किसी रोजगार परक शिक्षा में सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पी0जी0 डिप्लोमा की पढाई का अवसर राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र प्रदान कर रहें हैं। जी0एस0टी0 एवं बिजनेस, वैदिक गणित, रिमोर्ट सेन्सिंग, साईबर लॉ, योग, डेरी, बागवानी आदि के पाठयक्रमों के माध्यम से युगानुकूल दक्षतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है एवं इसके लिये अध्ययन केन्द्रों को सशक्त बनाने का प्रयास जारी है। देश एवं प्रदेश में समसामायिक समस्याओं एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के प्रति सक्रिय करने की दृष्टि से कुम्भ, उन्नयत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे, अन्त्योदय एवं एकात्म मानववाद पर भी ''जागरूकता पाठ्यक्रम'' इस सत्र से लागू कर दिये गये हैं एवं इस रूप में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय समाज एवं देश के प्रति अपने सामाजिक, सांस्कृतिक दायित्व का निर्वाह करने के लिए सचेष्ट है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक श्री प्रवीन कुमार

फिल्म 'भारत' में प्रियंका की जगह लेंगी कैटरीना
पेज-16

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

नई दिल्ली

मंगलवार ● 31 जुलाई ● 2018

16 पृष्ठ, मूल्य ` 3.50

सर्राफा दिल्ली सोना (प्रति 10 ग्राम) ` 30,750 | चांदी (प्रति किलो) ` 39,200 | शेयर सेंसेक्स 37,494.40 + 157.55 | निफ्टी 11,319.55 + 41.20 | विनिमय दर `/$ 68.87 - 0.02 | मौसम (दिल्ली) तापमान अधिकतम 34° | न्यूनतम 27°

भाजपा अध्यक्ष की मौजूदगी मे इलाहाबाद मे छात्राओं को पुलिस द्वारा लाठी से मारना और उनके बाल खींचकर बिना महिला पुलिस के हिरासत मे लेना शर्मनाक है।—— अखिलेश यादव, सपा अध्यक्ष

उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विवि द्वारा आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते कुलपति प्रो.केएन सिंह साथ में मंचासीन प्रभारी निदेशक प्रो.पीपी दुबे, क्षेत्रीय निदेशक प्रवीण कुमार व अन्य।

मुक्त शिक्षा ही भविष्य की शिक्षा

गोरखपुर (एसएनबी)। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि इलाहबाद के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने मुक्त शिक्षा को भविष्य की शिक्षा बताते हुए कहा कि डिजिटल क्रांति के बाद मुक्त शिक्षा के विकास का भविष्य प्रशस्त होता जा रहा है। उन्होंने कहाकि देश में साठ करोड़ लोग स्मार्ट फोन व पचास करोड़ इंटरनेट उपभोक्ता हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इसके उपयोग से गुणात्मक परिवर्तन संभव है।

प्रो. सिंह, सोमवार को राजर्षि अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों व प्राचार्यों की दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा में नामांकन का अनुपात वर्ष 2016-17 में 25 फीसद और अमरीका में 85 प्रतिशत है। भारत में ही इसके अंतर में भी प्रादेशिक भिन्नता है। चंडीगढ़ में 54, बिहार में 14 और यूपी में 24 फीसद है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय 2020 तक इसे 30 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। इसे पूरा करने में राजर्षि की निर्णायक भूमिका है। राजर्षि ने उप्र में उच्च शिक्षा से वंचित वर्ग तक गुणात्मक उच्च

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों व प्राचार्यों की एक दिवसीय कार्यशाला

शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने का संकल्प लिया है। स्नातक व परास्नातक की शिक्षा के साथ ही किसी रोजगारपरक शिक्षा में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा कोर्स और पीजी डिप्लोमा की पढ़ाई का अवसर प्रदेश में राजर्षि के अध्ययन केन्द्र प्रदान कर रहे हैं। जीएसटी व बिजनेस, वैदिक गणित, रिमोट सेन्सिंग, साइबर लॉ, योग, डेयरी, बागवानी आदि कोर्सेज के जरिये से दक्षतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। बतौर विशिष्ट अतिथि विधि विभाग के प्रो. चंद्रशेखर ने कहा कि साइबर लॉ का कोर्स समसामयिक महत्व का है। यह विधि के छात्रों के साथ-साथ सभी वर्गों के लिए जरूरी है।

इस मौके पर राजर्षि के मानविकी शास्त्र के निदेशक प्रो.आरपीएस यादव ने विवि की योजनाओं की जानकारी दी। क्षेत्रीय प्रभारी एवं राजर्षि की कृषि शाखा के निदेशक प्रो. पीपी दुबे ने समन्वयकों की समस्याओं पर सीधी बात की। संचालन करते हुए गोरखपुर विवि अध्ययन केन्द्र के समन्वयक प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने प्रस्ताविकी व्याख्यान में अधिन्यास व परामर्श व स्वाध्याय पर आधारित मुक्त शिक्षा के विविध आयामों पर प्रकाश डाला। आभार ज्ञापन गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक प्रवीण कुमार ने दी।

गांधी जयंती कार्यक्रम समिति के सदस्य बने पुष्पदंत जैन

■ गोरखपुर।

सहारा न्यूज ब्यूरो

महात्मा गांधी की 150वी जयन्ती (दो अक्टूबर) के लिए भारत सरकार ने कार्यक्रमों की लंबी श्रृंखला तैयार की है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार ने भी दो वर्ष तक चलने वाले कार्यक्रम की रूप रेखा बनायी है। रूप रेखा तैयार करने के लिए राज्यपाल रामनाईक की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। राज्यपाल ने इस समिति में क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष पुष्पदंत जैन को बतौर सदस्य नामित किया है। श्री जैन को लाल बहादुर शास्त्री भवन लखनऊ में 31 जुलाई को होने वाली बैठक में आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी बृजेश राम त्रिपाठी ने दी।

इलाहाबाद, मंगलवार, 31 जुलाई, 2018

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

भाजपा सरकारों ने दलितों के लिए भय का माहौल तैयार किया : राहुल - 15

इलाहाबाद

स्मार्टफोन के उपयोग से उच्च शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन सम्भव: प्रो. सिंह

क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर से सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र समन्वयकों-प्राचार्यों की कार्यशाला

इलाहाबाद। शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी क्रान्ति के बाद मुक्त शिक्षा के विकास का भविष्य प्रशस्त होता जा रहा है एवं मुक्त शिक्षा ही भविष्य की शिक्षा है। आज देश में 60 करोड़ लोग स्मार्टफोन एवं 50 करोड़ इन्टरनेट के उपभोक्ता हैं, जिसका उपयोग करके उच्च शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन सम्भव है।

उक्त बातें उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.एन सिंह ने गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों एवं प्राचार्यों को संवाद भवन में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि भारत में उच्च शिक्षा में एक नामांकन अनुपात 2016-17 में 25 प्रतिशत रहा, जबकि यू.एस.ए में यह अनुपात 85 प्रतिशत है। भारत में ही इसके अन्तर प्रादेशिक भिन्नता है। एक तरफ चण्डीगढ़ में 54 प्रतिशत है जबकि बिहार में 14 प्रतिशत एवं उत्तर प्रदेश में 24 प्रतिशत है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने इस नामांकन अनुपात को 2020 तक 30 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे पूरा करने में उ.प्र मुक्त विश्वविद्यालय की निर्णायक भूमिका है। राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने उ.प्र के अनाभिगम्य क्षेत्रों एवं उच्च शिक्षा से वंचित वर्ग तक गुणात्मक उच्च शिक्षा को सर्व सुलभ बनाने का संकल्प लिया है।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढाई के साथ-साथ किसी रोजगार परक शिक्षा में सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पीजी डिप्लोमा की पढाई का अवसर मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र प्रदान कर रहे हैं। जी.एस.टी एवं बिजनेस, वैदिक गणित, रिमोर्ट सेन्सिंग, साईबर लॉ, योग, डेरी, बागवानी आदि पाठ्यक्रमों के माध्यम से युगानुकूल दक्षतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है एवं इसके लिये अध्ययन केन्द्रों को सशक्त बनाने का प्रयास जारी है। देश एवं प्रदेश में समसामायिक समस्याओं एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के प्रति सक्रिय करने की दृष्टि से कुम्भ, उन्नत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे, अन्त्योदय एवं एकात्म मानववाद पर भी जागरूकता पाठ्यक्रम इस सत्र से लागू कर दिये गये हैं एवं इस रूप में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय समाज एवं देश के प्रति अपने सामाजिक, सांस्कृतिक दायित्व का निर्वाह करने के लिए सचेष्ट है। विशिष्ट अतिथि प्रो.चन्द्रशेखर विधि विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि ने कहा कि साइबर लॉ का पाठ्यक्रम सामाजिक महत्व का है एवं यह विधि के छात्रों के साथ साथ सभी वर्गों के लिये इस डिजिटल युग में उपयोगी एवं समसामयिक आवश्यकता है। कहा कि शिक्षा एक आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है जिसे मूलरूप राजर्षि टण्डन मुक्त विवि ने दिया है। मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के स्वयंप्रभा एवं मुख्य जैसी विधायें इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर मुक्त विवि के मानविकी शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आर.पी.एस यादव ने विश्वविद्यालय की नयी योजनाओं पर प्रकाश डाला। क्षेत्रीय प्रभारी एवं मुक्त विवि के कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. पी.पी दुबे ने समन्वयकों की समस्याओं पर प्रत्यक्ष वार्ता किया। गोरखपुर विवि अध्ययन केन्द्र के समन्वयक प्रो. संचित कुमार गुप्ता ने संचालन करते हुये अपने प्रस्ताविकी व्याख्यान में अधिन्यास एवं परामर्श तथा स्वअध्याय पर आधारित मुक्त शिक्षा के विविध आयामों पर प्रकाश डाला।

मुक्त विवि की एक दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित लोग

महानगर
वर्ष 12 | अंक 117 | पृष्ठ : 16
मूल्य : चार रुपये
7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 20 संस्करण

अमर उजाला

गोरखपुर
मंगलवार, 31 जुलाई 2018

amarujala.com | पाकिस्तान | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीत पर इमरान खान को दी बधाई...16 | उत्तर प्रदेश

amarujala.com
अमर उजाला गोरखपुर युवा Youth
गोरखपुर | मंगलवार, 31 जुलाई 2018

'मुक्त शिक्षा का भविष्य उज्जवल'

यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यशाला में पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

गोरखपुर। मुक्त शिक्षा ही भविष्य में बेहतर शिक्षा का माध्यम होगी। डिजिटल क्रांति के बाद मुक्त शिक्षा के विकास का मार्ग तेजी से प्रशस्त हुआ है। ये बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने गोरखपुर यूनिवर्सिटी में आयोजित गोरखपुर क्षेत्र के अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों एवं प्राचार्यों की कार्यशाला में कहीं। विशिष्ट अतिथि विधि विभाग के प्रो. चंद्रशेखर ने कहा कि साइबर लॉ का पाठ्यक्रम समसामयिक महत्व का है। प्रो.आरपीएस यादव ने यूनिवर्सिटी की नई योजनाओं पर प्रकाश डाला। क्षेत्रीय प्रभारी प्रो पीपी दुबे, प्रो. संजीत गुप्ता और प्रवीण कुमार ने भी विचार रखे।

दैनिक जागरण
www.jagran.com
गोरखपुर/आसपास जागरण

15 अगस्त को तोड़ेंगे पौधरोपण का रिकार्ड : योगी 9
अमेरिका में पिछली डेमोक्रेटिक पार्टी की सीईओ बनीं सीमा नंदा 16

तकनीकी क्रांति से उज्ज्वल हुआ मुक्त शिक्षा का भविष्य

जासं गोरखपुर : शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी क्रांति के बाद मुक्त शिक्षा के विकास का भविष्य प्रशस्त होता जा रहा है। मुक्त शिक्षा ही भविष्य की शिक्षा है। आज देश में साठ करोड़ लोग स्मार्टफोन एवं पचास करोड़ लोग इंटरनेट के उपभोक्ता है, जिसका उपयोग उच्च शिक्षा के क्षेत्र में करके उच्च शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन संभव है।

यह वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने गोरखपुर क्षेत्र के अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों एवं प्राचार्यों को संबोधित करते हुए गोरखपुर विवि के संवाद भवन में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में दिया। प्रो. सिंह ने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात 2016-17 में 25 प्रतिशत रहा, जबकि यूएसए में यह अनुपात 85 प्रतिशत है। भारत में ही इसके अंतर में भी प्रादेशिक विभिन्नता है। एक तरफ चंडीगढ़ में 54 फीसद है, तो बिहार में 14 प्रतिशत एवं यूपी में 24 प्रतिशत है। एमएचआरडी इस नामांकन अनुपात को 2020 तक 30 फीसद तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जनसंख्या की दृष्टि से यह वृहत राज्य है। इस विश्वविद्यालय ने अनाभिगम्य क्षेत्रों एवं उच्च शिक्षा से वंचित वर्ग तक गुणात्मक उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने का संकल्प लिया है। कुलपति ने कहा कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई के साथ-साथ किसी रोजगारपरक शिक्षा में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पी.जी. डिप्लोमा की पढ़ाई का अवसर यूपीआरटीओयू के अध्ययन केंद्र प्रदान कर रहे है। जीएसटी एवं बिजनेस, वैदिक गणित, रिमोट सेंसिंग, साइबर लॉ, योग, डेयरी, बागवानी आदि के पाठ्यक्रमों के माध्यम से युगानुकूल दक्षतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है एवं इसके लिए अध्ययन केंद्रों को सशक्त बनाने का प्रयास जारी है। कार्यशाला में बतौर विशिष्ट अतिथि विधि विभाग के प्रो. चंद्रशेखर ने कहा कि शिक्षा एक आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है जिसे यह विवि मूर्तरूप दे रहा है। इस अवसर पर गोरखपुर विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने संचालन करते हुए अपने प्रस्ताविकी व्याख्यान में अधिन्यास एवं परामर्श तथा स्वाध्याय पर आधारित मुक्त शिक्षा के विविध आयामों पर प्रकाश डाला।

बच्चियों से दुष्कर्म पर मौत की सजा का विधेयक पारित पेज15
विराट कोहली इंग्लैंड में दम दिखाने को बेताब पेज16

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

11 को शपथ
इमरान खान ने कहा है कि वह 11 अगस्त को पाकिस्तान के 19वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। पेज18

हिन्दुस्तान
गोरखपुर • मंगलवार • 31 जुलाई 2018

29° अधिकतम | 25° न्यूनतम | सूर्योदयः 05:21 सूर्यास्तः 18:46

गोरखपुर

यूपी में 24 % लोग ही लेते हैं उच्च शिक्षा में प्रवेश

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

भारत में उच्च शिक्षा में नामांकन का औसत प्रतिशत 25 है जबकि यूएसए में यह 85 फीसदी है। यूपी में यह केवल 24 फीसदी है। इसे 2020 तक बढ़ाकर 30 फीसदी तक पहुंचाना मानव संसाधन विकास मंत्रालय का लक्ष्य है। इसके लिए विवि ने कई तरह के नए रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। सभी क्षेत्रीय समन्वयकों व अध्ययन केन्द्रों को यह लक्ष्य हासिल करने में पूरा योगदान देना होगा। लक्ष्य हासिल करने में मुक्त विवि बड़ा योगदान सकते हैं।

यह बातें यूपी राजर्षि टंडन मुक्त विवि (आरटीओयू) की कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कही। सोमवार को डीडीयू के संवाद भवन में आयोजित कार्यशाला में उन्होंने बताया कि स्नातक व पीजी की पढ़ाई के साथ मुक्त विवि से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा आदि की पढ़ाई कर सकते हैं। जीएसटी, वैदिक गणित, रिमोट सेंसिंग, साइबर लॉ, योग, डेयरी, बागवानी आदि के जरिए दक्षतापूर्ण व समयानुकूल पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। यूपी आरटीओयू के मानविकी शास्त्र निदेशक प्रो. आरपी यादव ने विवि की नई योजनाओं पर प्रकाश डाला। डीडीयू में विधि के प्रो. चंद्रशेखर ने कहा कि साइबर लॉ विधि छात्रों के साथ ही सभी वर्गों के लिए बेहद समसामयिक व उपयोगी विषय है। कार्यक्रम का संचालन डीडीयू में आरटीओयू के समन्वयक प्रो. संजीत कुमार गुप्त ने किया। धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक प्रवीण कुमार ने किया।

लक्ष्य

- राजर्षि टंडन मुक्त विवि की कार्यशाला में कुलपति प्रो. केएन सिंह ने दी जानकारी
- यूपीआरटीओयू का नामांकन का 30% तक पहुंचाने का लक्ष्य है

सोमवार को विवि के संवाद भवन में राजर्षि टंडन मुक्त विवि इलाहाबाद द्वारा आयोजित गोष्ठी में बोलते प्रो. संजीत कुमार गुप्ता, मंचासीन कुलपति प्रो. के एन सिंह व अन्य

समसामयिक समस्याओं पर भी पाठ्यक्रम

कुलपति ने बताया कि यूपी आरटीओयू में इस सत्र से सम सामयिक, सामाजिक समस्याओं पर अधारित पाठ्यक्रम भी शुरू किए हैं। इनमें कुंभ, उन्नत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, नामामि गंगे, अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद पर भी जागरुकता पाठ्यक्रम आदि शामिल हैं।